

छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना और समाज में महिलाओं की भागीदारी

डॉ. चन्द्रशेखर पटेल

सहायक प्राध्यापक, राजनीति शास्त्र

डॉ. शक्राजीत नायक शासकीय महाविद्यालय- बरमकेला

छत्तीसगढ़ भारत के उन राज्यों में से एक है जहाँ सामाजिक विविधता, जनजातीय संस्कृति और ग्रामीण जीवन का प्रभाव गहरा है। यहाँ की महिलाएँ कृषि कार्य, वनोपज संग्रह, पशुपालन, घर-परिवार के प्रबंधन और समुदाय में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाती हैं, लेकिन लंबे समय तक उन्हें आर्थिक संसाधनों और निर्णय-निर्माण की शक्ति से वंचित रखा गया। सामाजिक संरचना की जटिलताओं और पारंपरिक पितृसत्ता के कारण महिलाएँ अपने परिश्रम के बावजूद आर्थिक रूप से आश्रित रहीं। ऐसे वातावरण में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लागू की गई महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से सशक्त करने की दिशा में एक अत्यंत प्रभावी पहल सिद्ध हो रही है। यह योजना न केवल महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि उन्हें घर और समाज दोनों में अधिक सक्रिय और आत्मविश्वासी बनने का अवसर भी देती है। आज महतारी वंदन योजना राज्य के सामाजिक परिवर्तन का एक बड़ा माध्यम बन चुकी है, जिसने महिलाओं की भागीदारी को एक नई दिशा प्रदान की है।

महतारी वंदन योजना : अवधारणा, उद्देश्य और महत्व

महतारी वंदन योजना की अवधारणा महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाकर उन्हें परिवार और समाज की मुख्य धारा से जोड़ने पर आधारित है। योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह ₹1000 की राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जाती है। यह रकम छोटी दिख सकती है, लेकिन ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में इसका महत्व अत्यधिक है, क्योंकि यह महिलाओं को अपने लिए और अपने बच्चों के लिए स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। इस योजना के व्यापक उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक निर्भरता से मुक्त करना, परिवार के भीतर उनका सम्मान बढ़ाना, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाना और समग्र रूप से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, यह योजना लैंगिक समानता को मजबूत करने और सामाजिक न्याय की दिशा में राज्य सरकार की एक प्रभावी पहल भी है।

योजना की पात्रता, लाभ और क्रियान्वयन

महतारी वंदन योजना के लिए पात्रता मानदंड सरल और स्पष्ट रखे गए हैं ताकि अधिकतम महिलाएँ इसका लाभ ले सकें। 21 वर्ष से अधिक आयु की छत्तीसगढ़ की स्थायी निवासी महिलाएँ, चाहे वे विवाहित हों, अविवाहित, विधवा या परित्यक्ता—सभी इसके लिए पात्र हैं। आयकर दाता और सरकारी सेवकों की पत्नियाँ योजना से बाहर हैं, जिससे वास्तव में आर्थिक सहयोग की जरूरत वाली महिलाओं को प्राथमिकता मिलती है। योजना का क्रियान्वयन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम, जनपद और जिला स्तर पर किया जाता है। आवेदन की प्रक्रिया डिजिटल होने से पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और DBT के

माध्यम से राशि सीधे लाभार्थी के खाते में पहुँचती है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ महिलाएँ बैंकिंग सेवाओं से कम परिचित थीं, वहाँ यह योजना उन्हें धीरे-धीरे डिजिटल और वित्तीय रूप से जागरूक बना रही है।

योजना की सामाजिक-आर्थिक आवश्यकता और पृष्ठभूमि

छत्तीसगढ़ की सामाजिक संरचना में अधिकांश महिलाएँ अनौपचारिक श्रमिक हैं—वे खेतों में कार्य करती हैं, जंगल से वनोपज संग्रह करती हैं, घर संभालती हैं और दिहाड़ी मजदूरी करती हैं। इनके पास स्थायी आय का कोई स्रोत नहीं होता। परिवार में उनका योगदान बहुत बड़ा होता है, लेकिन आर्थिक मूल्यांकन में इसे कम आँका जाता है। परिणामस्वरूप महिलाएँ आर्थिक रूप से दूसरों पर निर्भर रहती हैं और उनके निर्णय-निर्माण में आवाज कमजोर रहती है। स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में भी महिलाएँ चुनौतियों का सामना करती हैं—एनीमिया, प्रसवकालीन समस्याएँ, पौष्टिक भोजन की कमी जैसी स्थिति आम है। शिक्षा के क्षेत्र में भी कई महिलाएँ और लड़कियाँ आर्थिक बाधाओं के कारण अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पातीं। ऐसे माहौल में महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए एक नियमित आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराती है जो उनके स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और छोटे उद्यमों तक के लिए उपयोगी साबित हो रहा है।

महतारी वंदन योजना का महिलाओं पर प्रभाव

इस योजना का सबसे बड़ा प्रभाव महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में दिखाई देता है। पहले जहाँ महिलाएँ छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी परिवार के पुरुष सदस्यों पर निर्भर थीं, अब वे अपने खर्च का प्रबंधन स्वयं कर पा रही हैं। इससे उनके भीतर आत्मविश्वास बढ़ा है और परिवार में उनका सम्मान भी बढ़ा है। कई महिलाएँ इस राशि को बचत के रूप में रखती हैं और कुछ इसे छोटे-मोटे व्यवसाय जैसे सब्जी बेचने, सिलाई-कढ़ाई, बकरी पालन, मुर्गी पालन आदि में निवेश कर रही हैं। इससे परिवार की आय में वृद्धि हो रही है और महिलाएँ घर की आर्थिक योजना में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। साथ ही, यह योजना महिलाओं को सामाजिक गतिविधियों, पंचायत राज, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामसभा की बैठकों में अधिक भाग लेने के लिए प्रेरित कर रही है। उनकी सामाजिक उपस्थिति और नेतृत्व क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है।

समाज में महिलाओं की भागीदारी : नेतृत्व, शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्यमिता

छत्तीसगढ़ में पंचायतों में 50% आरक्षण होने के बाद महिलाओं का राजनीतिक नेतृत्व बढ़ा है, और महतारी वंदन योजना ने इस नेतृत्व को और मजबूती प्रदान की है। महिलाएँ अब ग्राम पंचायतों में विकास योजनाओं पर खुलकर बात कर रही हैं और निर्णय ले रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी बदलाव दिखाई देता है—महिलाएँ अपने बच्चों को, विशेषकर बेटियों को, बेहतर शिक्षा दिलाने पर ध्यान दे रही हैं। कई महिलाएँ स्वयं भी अपनी शिक्षा पूरी करने या कौशल विकास प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित हुई हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी यह योजना सकारात्मक प्रभाव डाल रही है—महिलाएँ अपने स्वास्थ्य परीक्षण, पौष्टिक भोजन और प्रसवपूर्व देखभाल पर खर्च कर पा रही हैं। SHG की महिलाएँ इस राशि का उपयोग समूह बचत बढ़ाने, लघु उद्योगों में निवेश करने और सामुदायिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए कर रही हैं। इससे महिलाओं की सामाजिक उपस्थिति और सामुदायिक नेतृत्व अधिक मजबूत हो गया है।

योजना से जुड़ी चुनौतियाँ

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के बावजूद कुछ बाधाएँ अभी भी मौजूद हैं। ग्रामीण महिलाओं में बैंकिंग और डिजिटल साक्षरता की कमी DBT से मिलने वाली राशि के उपयोग में कठिनाई पैदा करती है। कई इलाकों में नेटवर्क समस्याएँ, बैंक शाखाओं की दूरी और तकनीकी त्रुटियाँ भी सामने आती हैं। सामाजिक दृष्टिकोण की बात करें तो अभी भी कुछ परिवारों में महिलाओं के आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने को स्वीकार नहीं किया जाता। यह पितृसत्तात्मक सोच महिलाओं के निर्णय-निर्माण में बाधा उत्पन्न करती है। इसके अतिरिक्त, बढ़ती महंगाई को देखते हुए ₹1000 की राशि कुछ परिवारों के लिए अपर्याप्त महसूस होती है। यदि महिलाओं को बड़े स्तर पर उद्यमिता और निवेश की ओर बढ़ाना है तो अतिरिक्त आर्थिक सहयोग की आवश्यकता होगी।

भविष्य की संभावनाएँ और सुधार के सुझाव

महतारी वंदन योजना को और प्रभावी बनाने के लिए कई पहलें की जा सकती हैं। सबसे पहले, राशि में क्रमिक वृद्धि करके महिलाओं को बड़े आर्थिक निर्णयों में सक्षम बनाया जा सकता है। दूसरी बात, बैंकिंग और डिजिटल साक्षरता के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जाना चाहिए, ताकि महिलाएँ आसानी से लेन-देन कर सकें। SHG समूहों को लघु उद्योग, कृषि आधारित उद्यम और स्वरोजगार कार्यक्रमों से जोड़कर राज्य की महिलाओं को उद्यमिता की ओर अग्रसर किया जा सकता है। पंचायत स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं, जिससे वे स्थानीय शासन में सक्रिय भूमिका निभा सकें। यदि ये कदम उठाए जाते हैं तो छत्तीसगढ़ देश में महिला सशक्तिकरण का प्रमुख मॉडल बन सकता है।

निष्कर्ष

निष्कर्षतः महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं के जीवन में व्यापक परिवर्तन ला रही है। यह सिर्फ आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली योजना नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के सम्मान, स्वतंत्रता और सामाजिक भागीदारी को बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन बन चुकी है। इससे न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत स्थिति बेहतर हुई है, बल्कि उनके परिवार, समाज और समुदाय में भी सकारात्मक बदलाव आए हैं। महिलाएँ आत्मनिर्भर बन रही हैं, सामाजिक रूप से सक्रिय हो रही हैं, आर्थिक निर्णयों में भाग ले रही हैं और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य का निर्माण कर रही हैं। यह योजना छत्तीसगढ़ के सामाजिक विकास की मजबूत नींव है, जो आने वाले वर्षों में राज्य की महिलाओं को नए अवसरों और नई संभावनाओं से जोड़ने का कार्य करेगी।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Government of Chhattisgarh. Mahtari Vandan Yojana Guidelines (2024).
2. Ministry of Women & Child Development. Annual Report on Women Empowerment in India.
3. Sharma, P. (2020). Women Empowerment in Rural India. Concept Publishing.
4. Tiwari, S. (2019). Socio-Economic Status of Tribal Women in Central India. Atlantic Publishers.
5. Chhattisgarh Human Development Report (2022).

6. Ekka, R. & Verma, A. (2021). "Women's Participation in Panchayati Raj Institutions: A Study of Chhattisgarh." Journal of Social Development Studies.